बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -13-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज क्रिया के बारे में अध्ययन करेंगे।

क्रिया के भेद

को दो वर्गों में बाँटा गया है- कर्म के आधार पर, संरचना या प्रयोग के आधार पर

क्रिया

कर्म के आधार पर

कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं- सकर्मक क्रिया, अकर्मक क्रिया

भकर्मक क्रिया- जिस क्रिया के व्यापार (कार्य) का फल कर्म पर पड़ता है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती

है।

यश पुस्तक पढ़ता है।

प्रतीक गिटार बजा रहा है।

मोनू टेलीविज़न देखता है।

किसे पढ़ा जा रहा है? पुस्तक को

किसे बजाया जा रहा है? गिटार को

क्या देखा जा रहा है? टेलीविज़न

यहाँ ' पुस्तक', ' गिटार' और ' टेलीविज़न' के माध्यम से क्रिया हो रही है। ये कर्म हैं। तीनों ही वाक्यों में हो

रही क्रियाएँ सकर्मक हैं।

सकर्मक क्रिया के उपभेद

सकर्मक क्रिया के दो मुख्य उपभेद हैं- एककर्मक क्रिया, द्विकर्मक क्रिया

एककर्मक क्रिया- जिस सकर्मक क्रिया में केवल एक ही कर्म होता है, वह एककर्मक क्रिया कहलाती

है; जैसे

माता दूध पिलाती है।

यहाँ केवल ' दूध' कर्म है।

द्विकर्मक क्रिया- जिस सकर्मक क्रिया के दो कर्म होते हैं, वह द्विकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे

राज हर्षिता को चॉकलेट खिलाता है।

यहाँ ' चॉकलेट' और ' हर्षिता' दो कर्म हैं।

अकर्मक क्रिया- अ + कर्म अर्थात् जिसमें कर्म नहीं होता। जिन क्रिया शब्दों के व्यापार (कार्य) का फल

कर्ता पर पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहा जाता है। इन क्रियाओं का कोई कर्म नहीं होता है; जैसे

छोटे बच्चे रोते हैं। जोकर हँसता है।

इन गौरव तीनों वाक्यों सोता है में। ' सोता', ' रोता' और ' हँसता' क्रियाएँ हैं और इन तीनों क्रियाओं का फल अथवा प्रभाव

कर्ता ' गौरव', ' छोटे बच्चे' और ' जोकर' पर पड़ रहा है। अतः इन क्रियाओं को अकर्मक क्रिया कहा

जाएगा।

कुछ अकर्मक क्रियाएँ

बैठना हँसना कूदना जीना

सोना

चमकना

ठहरना

रोना उछलना अकड़ना